**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 2999**

**दिनांक 21 मार्च, 2018**

**कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कमी**

**2999. श्री राम कुमार कश्यपः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन घट रहा है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए उठाए गए/उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने वर्ष 2022 तक कच्चे तेल के आयात में 10 प्रतिशत की कमी करने का निर्णय लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

(क) और (ख): वर्ष 2015-16 में कच्‍चे तेल का घरेलू उत्‍पादन 36.96 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) था और 2016-17 में 36.01 एमएमटी था, जबकि वर्ष 2015-16 में प्राकृतिक गैस का उत्‍पादन 32.25 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) था और 2016-17 में 31.90 बीसीएम था।

सरकार ने गुजरात राज्‍य सहित तेल और गैस के घरेलू उत्‍पादन को बढ़ाने के लिए अन्‍य बातों के साथ-साथ, निम्‍नलिखित नीतिगत पहल की हैं:

i. हाइड्रोकार्बन खोजों से शीघ्र मुद्रा अर्जित करने के लिए उत्‍पादन हिस्‍सेदारी संविदा (पीएससी) के    तहत छूट प्रदान करने, विस्‍तार और स्‍पष्‍टीकरण संबंधी नीति, 2014।

ii. परीक्षण आवश्‍यकता संबंधी नीति, 2015 ।

iii. खोजे गए लघु क्षेत्र नीति, 2015 ।

iv. हाइड्रोकार्बन अन्‍वेषण और लाइसेंसिंग नीति, 2016 ।

v. उत्‍पादन हिस्‍सेदारी संविदाओं के विस्‍तार संबंधी नीति, 2016 ।

vi. नेशनल डेटा रिपोजीटरी, 2017 स्‍थापित करना।

vii. तलछटीय बेसिन में गैर-मूल्‍यांकित क्षेत्र का मूल्‍यांकन।

viii. हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पुन:मूल्‍यांकन ।

ix. कोल बेड मिथेन से शीघ्र मुद्रा अर्जित करने संबंधी नीति।

(ग): सरकार 2021-22 तक तेल और गैस से ऊर्जा में आयात पर निर्भरता में 10% तक कमी करने के लक्ष्‍य को प्राप्‍त करने के लिए कार्य कर रही हैं। मंत्रालय ने पंच उद्देश्‍यीय कार्यनीति सहित एक रोड़ मैप तैयार किया है जिसमें मोटे तौर पर निम्‍नलिखित को शामिल किया गया है:

i. तेल और गैस के घरेलू उत्‍पादन को बढ़ाना;

ii. ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण संबंधी उपायों को बढ़ावा देना;

iii.  मांग प्रतिस्‍थापन पर जोर देना;

iv. जैव र्इंधनों तथा वैकल्‍पिक ईंधनों/नवीकरणीय ईंधनों में मौजूद अप्रयुक्‍त क्षमता का मौद्रीकरण करना और;

v. रिफाइनरी प्रक्रिया सुधारों के लिए उपायों का कार्यान्‍वयन।